(b) if so, what are the reasons therefor and what action Government propose to take to rectify the same ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER) : (a) and (b) Yes, Sir. Declaration of State Roads as National Highways is made keeping in view the criteria norms laid down for this purpose and not on the basis of consideration of region/state, area, population etc. As such variation in the rate of increase of National Highways in different parts of the country cannot be avoided.

दिल्ली परिवहन निगम द्वारा अप्रयोज्य बसों का निपटान

3717. **श्री महेन्द्र सिंह लाठर :** क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली परिवहन निगम की सैकड़ों बसों को प्रतिवर्ष अप्रयोज्य घोषित कर दिया जाता है;

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान इस प्रकार अप्रयोज्य घोषित की गई बसों का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है तथा इन अप्रयोज्य बसों का निपटान/नीलामी किस प्रकार की गई और इस जरिये प्रतिवर्ष प्राप्त किये गये धन का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि बसों को अप्रयोज्य घोषित किये जाने का एक कारण वर्कशाप में नट बोल्ट जैसे आवश्यक अतिरिक्त पुर्जों की अनुपलब्धता है जिसके कारण मैकेनिक दोषपूर्ण पुर्जे प्रयोग में लाने के लिए मजबूर होते हैं और इससे सड़कों पर बसें ठप्प हो जाती हैं;

(घ) सरकार ने इन वर्षों के दौरान बसों की कमी को पूरा करने के लिये क्या कदम उठाये हैं तथा इस संबंध में होने वाले वार्षिक व्यय का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सामान के प्रबंध और स्टॉक नियंत्रण के मामले में दिल्ली परिवहन निगम में कोई त्रुटियां बतायी गई हैं और यदि हां, तो इन त्रुटियों को कहां तक दुरुस्त किया गया ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) दिल्ली परिवहन निगम की ऐसी बसें जो स्क्रैपिंग संबंधी मानदंडो को पूरा करती हैं और जिन्हें आगे किफायती प्रचालनों के लिए वस्तुतः उपयुक्त नहीं पाया जाता है, उन्हें प्रति वर्ष स्क्रैप कर दिया जाता है।

(ख) ब्यौरे निम्नलिखित हैं :-

वर्ष	स्क्रैप की गई बसों की संख्या	बेची गई/नीलाम की गई बसों की संख्या	प्राप्त हुई राशि
1988-89	503	319	8487026.00
1989-90	371	319	8852648.00
1990-91	112	332	10629553.49

(ग) जी, नहीं ।

(घ) सीमित संसाधनों के कारण वार्षिक योजनाओं में बसों की खरीद के लिए सुलभ कराई गई निधियों का उपयोग पुरानी बसों को बदलने के लिए किया जा रहा है और इसलिए बेड़े में कोई वास्तविक वृद्धि नहीं हुई है। दिल्ली परिवहन निगम के बेड़े में पिछले तीन वर्षों के दौरान रिप्लेसमेंट खाते में जोड़ी गई नई बसें और किया गया खर्च नीचे दिया गया है :

(लाख रुपए)

अवधि	बसों की संख्या	किया गया खर्च
1988–89	396	1453.36
1989–90	522	1550.22
1990–91	103	2407.72

यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए दिल्ली प्रशासन ने प्राइवेट प्रचालकों को 3000 स्टेज कैरिज परमिट देने की एक योजना शुरू की है। यात्रियों की मांग को पूरा करने के लिए सरकार ने दिल्ली परिवहन निगम के किराए ढांचे से अधिक किराए पर प्राइवेट प्रचालकों को 100 स्पेशल स्टेज कैरिज परमिट देने की एक योजना की भी सिफारिश की है।

(ङ) जी, हां। भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में उल्लिखित प्रणाली विषयक कमियों को दूर करने और ऐसी कमियों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए उपाय करने के लिए दिल्ली परिवहन निगम को निर्देश जारी किए गए हैं।

DTC Bus Queue Shelters

3718. MISS SAROJ KHAPARDE : Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the D.T.C. had entrusted the work of construction of 320 bus queue shelters in Delhi to the C.P.W.D. in December 1990 ;

(b) if so, what is the number of such shelters constructed so far by the C.P.W.D. ; and

(c) the total expenditure incurred so far by Government in this regard ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER) : (a) Yes, Sir.

(b) 303 bus queue shelters have been constructed so far.

(c) DTC had deposited Rs. 97,00,916.00 with the C.P.W.D. pending adjustment of final Bill.

National Highways in A. P

3719. SHRI MENTAY PADMANABHAM : Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to refer to the reply to Unstarred Question 384 given in the Rajya Sabha on the 26th February, 1992 and state :

(a) whether it is a fact that National Highways in Andhra Pradesh are comparatively worse than in some other States ;

(b) if so, what steps Government propose to take to ensure better maintenance of National Highways in Andhra Pradesh ; and

(c) whether any pilot project is likely to be started with respect to National Highways in Andhra Pradesh ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER) : (a) and (b) National Highways in Andhra Pradesh are generally being kept in a traffic worthy condition. Development and maintenance of National Highways is a continuous process and funds are allocated for this purpose depending upon *inter-se*-priority of works